भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2743
19 दिसंबर, 2023 को उत्तर के लिए

अन्तर्देशीय मछली उत्पादन

2743. डॉ. राजदीप रायः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत नौ वर्षों के दौरान उत्तर-पूर्वी राज्यों में अन्तर्देशीय मछली उत्पादन का ब्यौरा क्या है;

(ख) उत्तर-पूर्वी राज्यों में मछली उत्पादन के लिए सरकार की विभिन्न पहलों और योजनाओं और उनके बजटीय आबंटन का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या वर्ष 2014 में उत्तर-पूर्वी राज्यों में अन्तर्देशीय मछली उत्पादन में वृद्धि हुई है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री परशोत्तम रूपाला)

(क) से (घ): विगत नौ वर्षों अर्थात 2014-15 से 2022-23 के दौरान उत्तर पूर्वी राज्यों में अंतर्देशीय मत्स्य उत्पादन में 5.38% की औसत वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की गई । पूर्वोत्तर राज्यों में कुल मत्स्य उत्पादन 2014-15 में 4.03 लाख टन से बढ़कर वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 6.04 लाख टन के उच्चतम उत्पादन तक पहुंच गया । विगत नौ वर्षों के दौरान उत्तर-पूर्वी राज्यों में मत्स्य उत्पादन का राज्य-वार विवरण अनुबंध में दिया गया है। मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने देश में मात्स्यिकी और जलीय कृषि के विकास के लिए 2015-16 से 2019-20 तक नीली क्रांति, केंद्र प्रायोजित योजना लागू की और उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए 391.95 करोड़ की परियोजना को मंजूरी दी गई । नीली क्रांति की सफलता और उपलब्धियों को और सुदृढ़ करने के लिए भारत सरकार ने वित्तीय 2020-21 से 2024-25 तक 5 वर्षों की अवधि के लिए 20,050 करोड़ रु/- के निवेश के साथ मात्स्यिकी और जलीय कृषि के समग्र विकास के लिए प्रधान मंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (पीएमएमएसवाई) नामक एक और प्रमुख योजना शुरू की ।

पीएमएमएसवाई का लक्ष्य नई मीठे पानी की फिनफिश हैचरी की स्थापना, पालन तालाब (रियरिंग पॉन्डस) का निर्माण, इनपुट के साथ ग्रो-आउट तालाब, बायोफ्लॉक तालाब, री-सर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम (आरएएस), सजावटी मत्स्यपालन इकाई, पारंपरिक मछुआरों को नावें और जाल आदि प्रदान करना आदि द्वारा मत्स्य उत्पादन को बढ़ाना है। योजना के तहत वार्षिक आवंटन का न्यूनतम 10% उत्तर पूर्वी क्षेत्र के लिए निर्धारित किया गया है।

पीएमएमएसवाई के तहत, 2020-21 से 2023-24 (अब तक) के दौरान एनईआर राज्यों के लिए 1391.62 करोड़ रुपए के परिव्यय से कुल परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

इसके अलावा, जल-कृषि किसानों, मत्स्य फार्मों और मत्स्यन गतिविधियों के लिए ऋण की आसान पहुंच को बढ़ावा देने के लिए, भारत सरकार ने 2018-19 में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) की सुविधा का विस्तार मछुआरों और मत्स्य किसानों तक की ताकि उनकी कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने में उन्हें सहायता मिले । अब तक, एनईआर में 16,8,70 केसीसी सहित कुल 1,70,674 केसीसी 1893.43 करोड़ की ऋण राशि के साथ जारी किए गए हैं ।

*****

अनुबंध - I

अन्तर्देशीय मत्स्य उत्पादन के संबंध में 19 दिसंबर, 2023 को उत्तर के लिए डॉ. राजदीप राय, माननीय संसद सदस्य, लोकसभा द्वारा पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2743 के उत्तर में उल्लिखित विवरण:

(टन लाख में)

क्र.सं.	**राज्य का नाम**	**2014-15**	**2015-16**	**2016-17**	**2017-18**	**2018-19**	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**
1	असम	2.83	2.94	3.07	3.27	3.31	3.73	3.93	4.17	4.43
2	अरुणाचल प्रदेश	0.04	0.04	0.04	0.04	0.05	0.05	0.05	0.05	0.09
3	मणिपुर	0.31	0.32	0.32	0.33	0.32	0.32	0.33	0.33	0.34
4	मेघालय	0.06	0.11	0.12	0.12	0.13	0.14	0.16	0.18	0.19
5	मिजोरम	0.06	0.07	0.08	0.08	0.07	0.07	0.04	0.05	0.05
6	नागालैंड	0.08	0.08	0.09	0.09	0.09	0.09	0.09	0.09	0.09
7	सिक्किम	0	0	0	0	0	0	0	0	0.01
8	त्रिपुरा	0.65	0.69	0.72	0.77	0.7	0.78	0.82	0.82	0.83
कुल		**4.03**	**4.25**	**4.44**	**4.70**	**4.67**	**5.18**	**5.43**	**5.69**	**6.04**